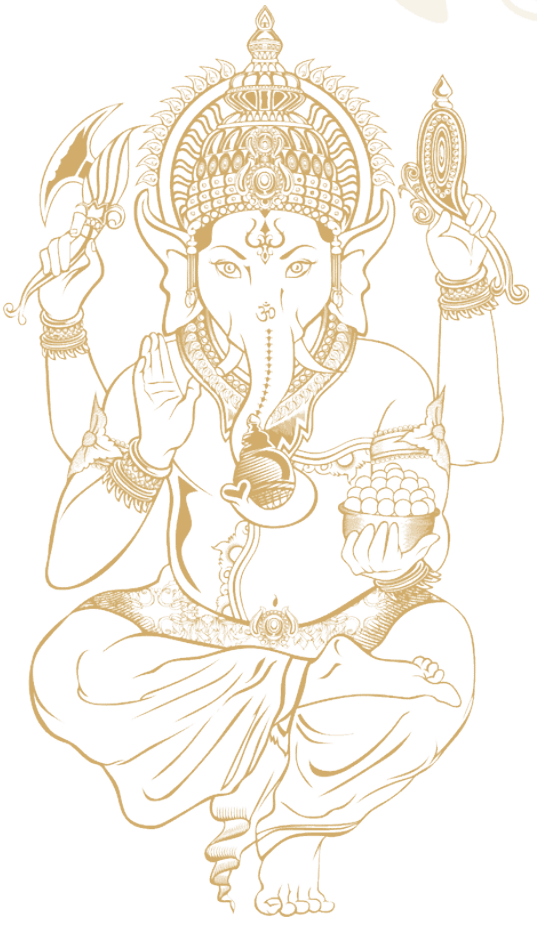

Sanyam Saloni

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120880006

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21/03/1999	जन्म तिथि	27-28/02/2001
रविवार	दिन	मंगल-बुधवार
घंटे 09:20:00	जन्म समय	01:24:00 घंटे
घटी 07:17:34	जन्म समय(घटी)	46:28:17 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:24:58	सूर्योदय	06:48:41
18:31:54	सूर्यास्त	18:19:26
23:50:35	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:08

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 6वर्ष 1मा 13दि	02:27:34	वृष	लग्न	वृश्चि	18:09:13	केतु 3वर्ष 10मा 0दि
मंगल	06:14:34	मीन	सूर्य	कुंभ	15:25:16	सूर्य
04/05/2021	22:35:09	मेष	चंद्र	मेष	06:01:47	29/12/2024
03/05/2028	18:19:07	तुला व	मंगल	वृश्चि	12:45:01	30/12/2030
मंगल 30/09/2021	03:38:28	मीन व	बुध	मक	21:47:42	सूर्य 18/04/2025
राहु 18/10/2022	14:32:55	मीन	गुरु	वृष	09:09:01	चन्द्र 17/10/2025
गुरु 24/09/2023	09:28:23	मेष	शुक्र	मीन	22:13:36	मंगल 22/02/2026
शनि 02/11/2024	08:18:00	मेष	शनि	वृष	01:14:32	राहु 17/01/2027
बुध 30/10/2025	27:39:10	कर्क व	राहु व	मिथु	19:52:14	गुरु 05/11/2027
केतु 28/03/2026	27:39:10	मक व	केतु व	धनु	19:52:14	शनि 17/10/2028
शुक्र 29/05/2027	21:27:25	मक	हर्ष	मक	27:59:56	बुध 23/08/2029
सूर्य 03/10/2027	09:56:14	मक	नेप	मक	13:34:54	केतु 29/12/2029
चन्द्र 03/05/2028	16:38:19	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	21:18:57	शुक्र 30/12/2030

लग्न-चलित

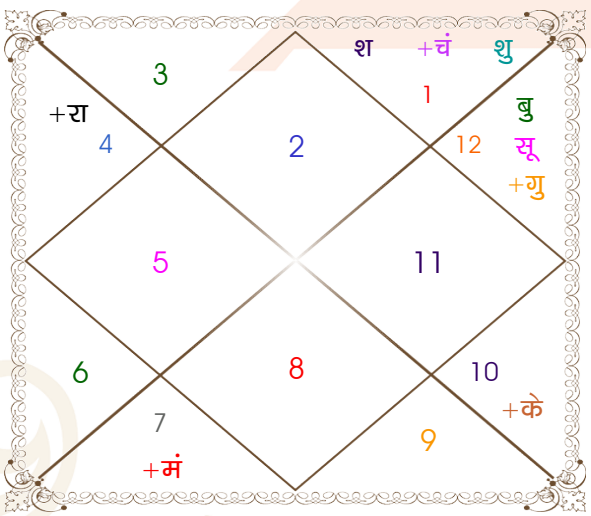

लग्न-चलित

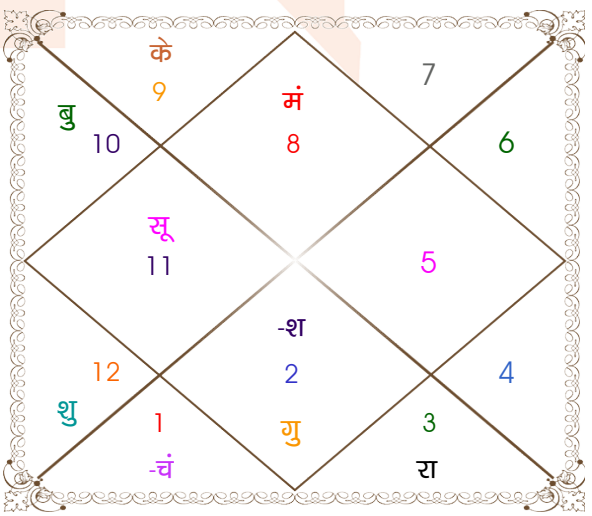

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	33.00		

Sanyam का वर्ग मृग है तथा Saloni का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Sanyam और Saloni का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Sanyam मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Saloni मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Saloni कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Sanyam कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Sanyam तथा Saloni में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।